विश्व स्नूकर में भारत का दमदार प्रदर्शन, छह खिलाड़ियों ने स्टेज-2 में बनाई जगह

पीयूष, क्रिश, कमल, श्रीकृष्ण, रणवीर और दिग्विजय क्वालीफाई; दिग्विजय की निर्णायक फ्रेम में जीत, कमल के दो शतक; दूसरे इवेंट में पारस-उजैर की जीत की हैट्रिक, ध्रुव भी चमके

इंदौर

इंदौर में आयोजित आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पहले इवेंट के स्टेज-1 चांस-1 मुकाबलों में छह भारतीय खिलाड़ियों ने स्टेज-2 में जगह बनाई। वहीं, दूसरे इवेंट में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पारस गुप्ता और उजैर खान ने लगातार तीन-तीन मुकाबले जीतकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की, जबकि ध्रुव पटेल ने दिन के अंतिम मुकाबले में सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को 4-3 से हराया। ब्रेक के मामले में पहले इवेंट में भारत के रेयान रज्मी ने 134 और दूसरे इवेंट में हांगकांग चीन के लैंगयी रयान ली ने 103 का सर्वोच्च ब्रेक लगाया।

पहले इवेंट में भारत के पीयूष कुशवाहा, क्रिश गुरबक्सानी, कमल चावला, श्रीकृष्ण सूर्यनारायणन, रणवीर दुग्गल और दिग्विजय कादियान ने स्टेज-2 के लिए क्वालीफाई किया। इनके अलावा हांगकांग चीन के वांग युचेन और फंग क्वोक वाई ने भी अगले चरण में जगह बनाई। इस तरह स्टेज-1 चांस-1 से आठ खिलाड़ियों ने स्टेज-2 का टिकट हासिल किया, जिनमें छह भारतीय शामिल हैं।

दिग्विजय की रोमांचक वापसी, निर्णायक फ्रेम में जीत - पहले इवेंट के क्वालीफाइंग मुकाबलों में दिग्विजय कादियान और श्रीलंका के थाहा इर्शाद के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। दिग्विजय ने दो फ्रेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-3 से जीत दर्ज की। पांचवें फ्रेम के बाद वह 2-3 से पीछे थे। छठे फ्रेम में 52 का ब्रेक लगाकर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक फ्रेम तक पहुंचाया। अंतिम फ्रेम में 69-22 से जीत हासिल कर उन्होंने स्टेज-2 में अपनी जगह पक्की की।

पीयूष कुशवाहा ने भी भारतीय खिलाड़ी अनुराग गिरी को निर्णायक फ्रेम में 4-3 से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। कमल चावला ने लक्ष्मण रावत को 4-1 से शिकस्त देकर क्वालीफाई किया। हांगकांग चीन के फंग क्वोक वाई ने भारत के ऋतिक जैन को 4-3 से हराने के बाद अपना अगला मुकाबला 4-0 से जीता। वहीं, वांग युचेन ने अपने हमवतन लैंगयी रयान ली को 4-1 से पराजित किया।

पारस-उजैर की जीत की हैट्रिक, ध्रुव ने भी मारी बाजी - दूसरे इवेंट में पारस गुप्ता और उजैर खान ने लगातार तीन-तीन मुकाबले जीतकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पारस ने बांग्लादेश के अल्ताफ हुसैन को 4-0, नेपाल के सबिन तामांग को 4-3 और ओमान के सामी अल हमराशदी को 4-1 से हराया।

उजैर खान ने बांग्लादेश के मोहम्मद अल अमीन और नेपाल के वांगच्यू तामांग को 4-2 से शिकस्त दी। इसके बाद फिलीपींस के माइकल मेंगोरियो को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

ध्वज हरिया ने आस्ट्रेलिया के डेनियल हेन्गा को 4-3 से हराने के बाद विजय निचानी को 4-0 से पराजित किया। रेयान रज्मी ने श्रीलंका के थाहा इर्शाद को 4-3 और कनिष्क झंझरिया को 4-0 से शिकस्त दी। विजय निचानी ने हुसैन अल्लावती को 4-0 और संयुक्त अरब अमीरात के सैफ सईद अलजाबी को 4-1 से हराया। लक्ष्मण रावत ने श्रीलंका के प्रताप मुरुगेसु को 4-1 और पोलैंड के



ओलिवियर निजियालेक को 4-0 से पराजित किया, लेकिन बाद में इराक के अली हुसैन से 3-4 से हार गए। अली हुसैन ने इससे पहले भारत के ऋतिक जैन को भी 4-1 से शिकस्त दी थी। दिन के अंतिम मुकाबले में ध्रुव पटेल ने सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को सात फ्रेम तक चले संघर्ष में 4-3 से हराया। इससे पहले ध्रुव ने संयुक्त अरब अमीरात के अब्दुल्ला फहद अलनुआइमी को 4-0 से पराजित किया था। वहीं, हांगकांग चीन के लैंगयी रयान ली ने बहरीन के पुनैत साकर को 4-2 और भारत की दिव्या शर्मा को 4-0 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से बाहर रहेंगे बियर्डमैन, आस्ट्रेलिया ने तेज गेंदबाजी में किया बदलाव

एडिलेड। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले आस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज



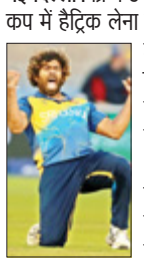
महली बियर्डमैन दूसरे वनडे में नहीं खेलेंगे। आस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन उनके कार्यभार को नियंत्रित रखने के लिए सावधानी बरत रहा है। बियर्डमैन ने शुक्रवार को पर्थ में खेले गए पहले वनडे में छह विकेट लेकर इतिहास रचा था। उन्होंने 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए थे, जो वनडे पदार्पण पर किसी आस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने सात विकेट से जीत दर्ज की थी। 21 वर्षीय बियर्डमैन को पीठ की चोटों का पुराना इतिहास रहा है। हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद स्ट्रेस फ्रैक्चर दोबारा उभरने के कारण वह सात महीने तक मैदान से बाहर रहे थे। इसी वजह से आस्ट्रेलिया उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए उनके कार्यभार को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अनुसार , बियर्डमैन हाल की चोटों के बाद अपनी शारीरिक क्षमता को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। वह बुधवार को होबार्ट में होने वाले तीसरे वनडे के लिए अंतिम एकादश में वापसी करेंगे। इस बीच, तस्मानिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह अभी तक साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। एलिस को सितंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आस्ट्रेलिया की 1-2 से वनडे सीरीज हार के दौरान बाईं तरफ चोट लगी थी। इसके कारण वह पोटचेफस्ट्रूम में सीरीज का अंतिम मुकाबला भी नहीं खेल सके थे। एलिस की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस को आस्ट्रेलिया की टी20 टीम में शामिल किया गया है। उनके पास जून में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने का मौका होगा। पांच मैचों की टी20 सीरीज शनिवार से मेलबर्न में शुरू होगी। राइली मेरेडिथ भी सीरीज के अंतिम दो वनडे मुकाबलों के लिए एडिलेड में आस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ गए हैं।

राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस : हिमांशी के उलटफेर से मनिका बत्रा बाहर, श्रीजा ने बनाई अगले दौर में जगह

फगवाड़ा। तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर हुआ। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल मनिका बत्रा महिला एकल के क्वालीफाइंग दौर में हारकर मुख्य ड्रा की दौड़ से बाहर हो गईं। कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने पांच गेम तक चले मुकाबले में मनिका को 9-11, 11-6, 9-11, 11-8, 11-3 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर किया। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हिमांशी ने दो बार पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। शुरुआती चार गेम में दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो गेम जीते, लेकिन निर्णायक गेम में हिमांशी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से एकतरफा जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टाटा पावर प्लेयर आफ द डे चुना गया। उन्हें 10 हजार रुपये का नकद पुरस्कार भी मिलेगा। मनिका ने अपने अभियान की शुरुआत मोनोलिपी सिंघा को 3-0 से हराकर की थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में वह हिमांशी की चुनौती पार नहीं कर सकीं। दूसरी ओर, हिमांशी ने दबाव के क्षणों में संयम बनाए रखते हुए अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक का इतिहासः लसिथ मलिंगा के नाम दो बार यह कारनामा करने का अनूठा रिकार्ड

नई दिल्ली। क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट, वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक बड़ी



उपलब्धि मानी जाती है। वर्ल्ड कप के इतिहास में कई दिग्गज गेंदबाजों ने लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी है, लेकिन श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में दो बार हैट्रिक लेकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ल्ड कप में अब तक कुल 11 हैट्रिक दर्ज हुई हैं, लेकिन कोई दूसरा गेंदबाज इस कारनामे को दोहराने में कामयाब नहीं हो सका। वनडे वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी भारत के पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा थे। उन्होंने 31 अक्टूबर 1987 को नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में यह उपलब्धि हासिल की थी। चेतन शर्मा ने न्यूजीलैंड की पारी के दौरान केन रदरफोर्ड, इयान स्मिथ और इवेन चैटफील्ड को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। उनके बाद पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक ने 1999 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ और श्रीलंका के चमिंडा वास ने 2003 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली। 2003 वर्ल्ड कप में ही आस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने केन्या के खिलाफ हैट्रिक लेकर इस सूची में अपना नाम दर्ज कराया। लसिथ मलिंगा ने अपनी पहली वर्ल्ड कप हैट्रिक 2007 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ली थी, जब उन्होंने शान पोलाक, एंड्रयू हाल और जैक कैलिस को लगातार तीन गेंदों पर आउट किया था। हालांकि, मलिंगा यहीं नहीं रुके, उन्होंने चार साल बाद एक बार फिर वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेकर इतिहास रच दिया।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स का खिताब जीता फाइनल में कोकी वातानाबे को दी शिकस्त

पहला गेम गंवाने के बाद भारतीय शटलर ने शानदार वापसी करते हुए 13-21, 21-18, 21-14 से दर्ज की जीत

कुमामोटो (जापान)

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए पुरुष एकल फाइनल में लक्ष्य ने दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी मेजबान जापान के कोकी वातानाबे को तीन गेम तक चले मुकाबले में 13-21, 21-18, 21-14 से हराया।



वर्ल्ड टूर में लगातार अपना दूसरा फाइनल खेल रहे लक्ष्य ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की और वातानाबे को 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में शिकस्त दी।

लक्ष्य ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की, लेकिन जापानी खिलाड़ी ने पहले गेम में उन पर दबाव बनाए रखा। वातानाबे ने लक्ष्य को कोर्ट के दाईं ओर खेलने के लिए मजबूर किया और भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाते हुए पहला गेम 21-13 से जीत लिया।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने आक्रामक रुख अपनाया। उनके दमदार स्मैश और बेहतर कोर्ट कवरेज के सामने वातानाबे को परेशानी हुई। लक्ष्य ने दूसरा गेम 21-18 से जीतकर मुकाबले में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली।

निर्णायक तीसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआत में वातानाबे ने स्मैश के जरिए अंक हासिल किया, लेकिन लक्ष्य ने भी तुरंत वापसी की। नेट के करीब शानदार रिफ्लेक्स दिखाते हुए उन्होंने जापानी खिलाड़ी को गलती करने पर मजबूर किया। इसके बाद वातानाबे ने स्मैश से बराबरी की, लेकिन लक्ष्य ने लगातार अंक जुटाते हुए ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली।

ब्रेक के बाद भी लक्ष्य ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने दमदार स्मैश और सटीक शाट्स के जरिए बढ़त बढ़ाई। एक समय वह 17-7 से आगे हो गए और खिताब उनसे कुछ ही अंक दूर रह गया। वातानाबे ने लगातार तीन अंक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य ने उन्हें ज्यादा मौका नहीं दिया। भारतीय खिलाड़ी ने निर्णायक गेम 21-14 से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। मैच जीतते ही लक्ष्य ने खुशी में जोरदार आवाज लगाई और मुट्ठी भींचकर अपनी खुशी जाहिर की।

सेमीफाइनल में अल्वी फरहान को दी थी मात

लक्ष्य ने फाइनल तक का सफर शानदार अंदाज में तय किया था। उन्होंने पहले दौर में ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराया। इसके बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में चीन के डोंग तियान याओ को 21-8, 21-14 और क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से शिकस्त दी।

सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के छठी वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत के साथ उन्होंने जर्मनी में हुए हायलो ओपन का खिताब जीतने के बाद अपनी शानदार फार्म जारी रखी।

25 वर्षीय लक्ष्य ने इस साल आल इंग्लैंड ओपन में भी उपविजेता रहते हुए खिताबी मुकाबले तक का सफर तय किया था। जापान मास्टर्स का खिताब उनके 2026 सत्र की तीसरी खिताबी मुकाबले में उपस्थिति को यादगार जीत में बदलने वाला प्रदर्शन रहा।

वातानाबे के खिलाफ अब 5-3 का रिकार्ड

फाइनल से पहले लक्ष्य सेन और कोकी वातानाबे के बीच सात मुकाबले हुए थे, जिनमें भारतीय खिलाड़ी 4-3 से आगे थे। इस जीत के बाद लक्ष्य ने आमने-सामने के मुकाबलों में अपनी बढ़त 5-3 कर ली है। वातानाबे ने इस साल जापान ओपन और सिंगापुर ओपन में लक्ष्य को हराया था, लेकिन इस बार भारतीय खिलाड़ी ने घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे जापानी शटलर को मात देकर खिताब जीत लिया। वातानाबे ने दूसरे सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक 2024 के रजत पदक विजेता कुनलावुत वितिदसर्न को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

वैभव सूर्यवंशी के गैराज में चार शानदार कारें, टाटा की दो एसयूवी भी शामिल



नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ अब अपने कार कलेक्शन को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में उन्हें टाटा सिएरा की डिलीवरी मिली है। यह एसयूवी उन्हें आईपीएल 2026 में सुपर स्ट्राइकर आफ द सीजन का खिताब जीतने पर इनाम के रूप में दी गई थी। वैभव ने धनतेरस और दिवाली के मौके पर परिवार के साथ इस नई कार को अपने घर लाया। उन्हें सिएरा का अंडमान एडवेंचर कलर विकल्प मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वैभव के गैराज में फिलहाल चार गाड़ियां हैं। इनमें टाटा की दो एसयूवी के अलावा मर्सिडीज-बेंज और टोयोटा की गाड़ियां भी शामिल हैं। वैभव के कलेक्शन में सबसे नई कार टाटा सिएरा है।

उन्हें यह एसयूवी आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के लिए मिली है। नई टाटा सिएरा पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक विकल्पों में उपलब्ध है। हालांकि, वैभव को इसका पेट्रोल या डीजल वाला माडल मिला है। उनके पास कौन सा इंजन विकल्प है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

इससे पहले वैभव को आईपीएल 2025 में सुपर स्ट्राइकर आफ द सीजन बनने पर टाटा कर्व ईवी मिली थी। यह उनके पहले आईपीएल सीजन में शानदार बल्लेबाजी के लिए दिया गया इनाम था। रिपोर्ट्स के अनुसार, वैभव इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को अपनी मां को उपहार में देना चाहते थे। वैभव के कार कलेक्शन में एक लग्जरी गाड़ी मर्सिडीज-बेंज भी शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान रायल्स के पूर्व मालिक रंजीत बारठाकुर ने वर्ष 2025 में उनके शानदार प्रदर्शन से प्रभावित होकर उन्हें यह कार गिफ्ट की थी। कुछ रिपोर्ट्स में इस गाड़ी को मर्सिडीज-बेंज जीएलई 300डी बताया गया है। हालांकि, इस माडल को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके अलावा वैभव के परिवार के पास टोयोटा फार्च्यूनर लीजेंडर भी है। यह गाड़ी उन्हें किसी इनाम के तौर पर नहीं मिली, बल्कि परिवार ने इसे खरीदा था।

विंटर गेम्स में 1300 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



भोपाल। टीटी नगर स्टेडियम में रविवार को रोटरी क्लब ऑफ भोपाल मिडटाउन के विंटर गेम्स का 24वां संस्करण आयोजित हुआ। इसमें मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 1300 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, बौद्धिक और शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों ने मार्चपास्ट के साथ आयोजन की शुरुआत की। करीब 300 बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक दिलीप सूर्यवंशी और विशिष्ट अतिथि इंडियन ऑयल के कार्यकारी निदेशक अजय श्रीवास्तव उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष तरुणा तनेजा और इवेंट चेयर हेम सिंह गुर्जर ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को प्रतिभा प्रदर्शन और आत्मविश्वास का मंच देना है। प्रत्येक प्रतिभागी को पदक, प्रमाणपत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर वॉकथॉन का आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः आगामी 19 से 28 नवंबर तक भोपाल में आयोजित होने वाली एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी-2026 को लेकर राजधानी में उत्साह का माहौल है।

रविवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग के नेतृत्व में होटल लेकव्यू रंजीत से वन विहार तक हॉकी वॉकथॉन निकाली गई। इसमें ओलंपियन एवं अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर सहित बड़ी संख्या में युवा और शहरवासी शामिल हुए।

वॉकथॉन के दौरान मंत्री सारंग और खिलाड़ियों ने सड़क पर हॉकी खेलकर लोगों को प्रतियोगिता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि भोपाल का हॉकी से पुराना और गौरवशाली संबंध रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेजबानी पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। प्रतियोगिता का आयोजन बरखेड़ा नाथू स्थित अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होगा। इसमें भारत सहित एशिया की छह शीर्ष टीमें हिस्सा लेंगी। करीब 150 अंतरराष्ट्रीय



महिला खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। मंत्री ने बताया कि हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कैटेगरी-1 प्रमाणन मिला है। इसके साथ भोपाल यह उपलब्धि हासिल करने वाला हैदराबाद के बाद देश का दूसरा शहर बन गया है।

टोटल चेस टूरः एरिगैसी ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुंचे, आनंद गिरि ने ग्रुप सी की कमान संभाली; वैशाली को दोनों मुकाबलों में हार

बुडापेस्ट (हंगरी)

टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर पायलट के फास्ट क्लासिकल ग्रुप चरण के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों का मिला-जुला प्रदर्शन रहा। अर्जुन एरिगैसी ने मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर ग्रुप डी में संयुक्त बढ़त हासिल की, जबकि अनिश गिरि ने अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ ग्रुप सी में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं, वैशाली रमेशबाबू को वेस्ली सो के खिलाफ दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। आर. प्रज्ञानानंद को रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ एक मुकाबले में हार मिली, जबकि दूसरा मुकाबला ड्रा रहा। प्रतियोगिता के चौथे दिन सातवें और आठवें दौर के मुकाबलों में कुल 24 बाजियां खेली गईं, जिनमें 10 के परिणाम निकले। प्रत्येक खिलाड़ी ने अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ दो मुकाबले खेले और दोनों में रंग बदले गए। जीत पर तीन अंक और ड्रा पर एक अंक दिए जा रहे हैं। वेस्ली सो दिन के एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिन्होंने अपने दोनों मुकाबले जीतकर पूरे छह अंक हासिल किए।

चार ग्रुप में जारी इस प्रतियोगिता में ग्रुप ए में अलीरेजा फिरोजा 13 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना 16 अंकों के साथ चार अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। ग्रुप सी में अनिश गिरि 13 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि ग्रुप डी में मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव, हैंस मोके नीमन और अर्जुन एरिगैसी 13-13 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

अर्जुन ने वाचियर-लाग्रेव का अजेय क्रम तोड़ा - ग्रुप डी में अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव का फास्ट क्लासिकल मुकाबलों में अजेय रहने का



क्रम तोड़ दिया। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रा रही, लेकिन दूसरी बाजी में अर्जुन ने सफेद मोहरों से खेलते हुए एंडगेम में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 13 अंक लेकर वाचियर-लाग्रेव के बराबर पहुंच गए और संयुक्त रूप से ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

इसी ग्रुप में हैंस मोके नीमन ने बिबिसारा अस्सौबायेवा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ 13 अंक हासिल किए। नीमन ने पहली बाजी सफेद मोहरों से जीती, जबकि दूसरी बाजी में अस्सौबायेवा ने मुकाबला ड्रा करा लिया। यह दिन की सबसे लंबी बाजी रही। अस्सौबायेवा के खाते में नौ अंक हैं। वेस्ली सो ने भारतीय खिलाड़ी वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ दोनों बाजियां जीतकर छह अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के बाद सो के कुल 10 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप के शीर्ष तीन खिलाड़ियों से तीन अंक पीछे हैं। वैशाली चार अंकों के साथ ग्रुप में पीछे चल रही हैं।

गिरि ग्रुप सी में शीर्ष पर, अभिमन्यु के खिलाफ जीत और ड्रा - ग्रुप सी में अनिश गिरि ने भारतीय खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ 13 अंक हासिल कर बढ़त बना ली। पहली बाजी में गिरि ने सफेद मोहरों से एंडगेम में जीत दर्ज की, जबकि दूसरी बाजी ड्रा रही। इस तरह वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से दो अंक आगे हो गए। अभिमन्यु मिश्रा के खाते में छह अंक हैं। इसी ग्रुप में इयान नेपोमनियाची ने दिन के शीर्ष खिलाड़ी हैक मार्टिरोस्यान को वापसी मुकाबले में हराया। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रा रही थी। इस तरह नेपोमनियाची और मार्टिरोस्यान दोनों के कुल 11-11 अंक हो गए हैं। मैग्नस कार्लसन और शाखरियार मामेदयारोव के बीच दोनों बाजियां ड्रा रहीं। मामेदयारोव के नौ और कार्लसन के सात अंक हैं। कार्लसन अब तक फास्ट क्लासिकल प्रारूप में जीत दर्ज नहीं कर सके हैं। उन्होंने सात बाजियां ड्रा खेली हैं और एक में उन्हें हार मिली है।

प्रज्ञानानंद को रैपोर्ट ने हराया, दूसरी बाजी ड्रा - ग्रुप बी में भारतीय खिलाड़ी आर. प्रज्ञानानंद को रिचर्ड रैपोर्ट के खिलाफ एक बाजी में हार का सामना करना पड़ा। मुकाबले के अंतिम चरण में प्रज्ञानानंद की एक गलती का रैपोर्ट ने फायदा उठाया और कठिन स्थिति से वापसी करते हुए चेकमेट के जरिए जीत दर्ज की।